आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा
मम्मी कर तयार निशान उठाऊ गा,
छोटे सी एक ध्वजा बना दे बाबा की बाबा के चरणों में चड़ा के आऊ गा,
आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

माँ मुझको है लगन लगी उस श्याम सलोने की
मुझको न दरकार अब किसी खेल खिलोने की
बना दे खीर चूरमा भेट चड़ाउ गा
मम्मी कर तयार निशान उठाऊ गा,
आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

माँ लोरी के बदले में मुझे भजन सुनाया करो
श्याम के हर पर्चे को तू मुझको बतलाया करो
भजनों से मैं श्याम धनि को रिजाऊ गा
मम्मी कर तयार निशान उठाऊ गा,
आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

माँ मुझको अब दिल्ली की न सैर कराया करो
हर महीने ग्यारस मुझको खाटू ले जाया करो
श्याम की सेवा को मैं कर्म बनाऊ गा
मम्मी कर तयार निशान उठाऊ गा,
आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

कलयुग में माँ श्याम धनि की महिमा न्यारी है
हारे को ये गले लगाता लख्दातरी है
संग रसिक मैं बाबा के घर जाऊँगा
मम्मी कर तयार निशान उठाऊ गा,
आया मेला श्याम का खाटू जाऊँगा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20992/title/aaya-mela-shyam-ka-khatu-jaauga

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |